

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ चतुर्दशी पूजा ॥ क्राया गदा वदक विष्णु नमो वाज नमो वायु नमो ॥ अमृतमय ॥ चतुर्दशी
विधिर्था ॥ या नमो ललाट जगमानन गवच जानक आचार्य नमो कल्याण ललाट वायु देव यदयं कर्म नमो गवच काय
नमो बाल नारायण नमो नयक सिन्धु ललाट श्री ३ नमो रुद्र गवच दक्षिण श्री २ दगुं नल रुद्र गवच दक्षिण श्री ३ कृमात्रि
रुद्र गवच दक्षिण इमा रुद्रादि नमो दक्षिण ॥ वाइका नलाय सिद्ध नयं ऊं सद स ऊव ख नलाय मार्के लु या ख व
या देवी यजमान क्राय ॥ आचार्य पति सत जानक दव या दव २ काय ॥ दव आचार्य नमो मदन गमयं स्वयं
वायु यदयं दगुलि कृदिया रुलियति स ऊव ख वला हा न जानक यजमान दव २ कौला विष्णु नमो नमो
निशं वसालं लायं शिकं मृगु ठिल गद्य वेदकैलिव २ नथं स विष्णु नमो ॥ पूजा रु ३ यनायू ३ निश्राव रु ३
नायक आचार्य नमो मूल ऊव ख व या कक्ष न गद्य वेदकैली पूजा ॥ उजा स या का ॥ श्री २ रुद्र नमो नयक युवा

[illegible]